हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 1 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 32 .2 डिग्री
न्यूनतम 15 .5 डिग्री

14 सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा व जेईई मेंस में सफल रहे विद्यार्थी सम्मानित

14 पुरखों ने सैनिकों के नाम पर दी बेशकीमती जमीन, सामाजिक उपयोग करते हुए सरकार दे पूरा सम्मान

खबर संक्षेप

हुड़दंगबाजी करने के आरोप में दो काबू

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि धारूहेड़ा चुंगी के पास दो युवक शराब के नशे में हुड़दंगबाजी कर रहे हैं। इससे लोगों की शांति भंग हो रही है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मौके पर जाकर धारूहेड़ा चुंगी निवासी सौरभ और सरस्वती विहार निवासी रोहताश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हाई कोर्ट से जमानत पर जांच में शामिल

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने के एक आरोपी को जांच में शामिल किया है। गत वर्ष अक्टूबर माह में एक व्यापारी ने सुसाइड कर लिया था। उसके पास से मिले सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने गत वर्ष 1 अक्टूबर को अभिषेक नाम के व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया था। अभिषेक ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी। उसे जमानत मिल जाने के कारण पुलिस ने अनुसंधान में शामिल कर लिया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। 6 फरवरी को हुए हादसे के बाद कसोला थाना पुलिस ने घायल के बयान पर वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। केस दर्ज करने के बाद जांच करते हुए पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के शिकोहपुर निवासी तरुण यादव को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने गत 26 फरवरी को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में भिवानी की ढाणी रामसिंह निवासी नवल किशोर को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

बावल। लगभग तीन साल पहले दर्ज अपहरण व पोक्सो एक्ट के तहत मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग का अपहरण करने के मामले में पुलिस ने पीड़त पक्ष की शिकायत पर 25 मई 2023 को अपहरण व पोक्सो के तहत केस दर्ज किया था। मामले का आरोपी यूपी के बिजनौर जिले के गांव गांवड़ी निवासी सागर फरार हो गया था। पुलिस ने बाद में नाबालिग को बरामद कर लिया था। अब आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश जारी हुए।

घर में घुसकर धमकी देने का आरोपी काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने कस्बे की एक कॉलोनी में घर में घुसकर गाली गलौज करने और धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर धारूहेड़ा थाना पुलिस ने गत 23 जनवरी को गुड़ियानी निवासी विकास के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद से ही आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

स्ट्रीट लाइट की मेंटेनेंस पर प्रतिवर्ष लाखों रुपये किए जाते खर्च, फिर भी ठीक नहीं की जाती सभी लाइट

शहर के सर्कुलर रोड सहित कई मार्गों पर फिर छाने लगा अंधेरा, काफी स्ट्रीट लाइटें हो चुकीं बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शहर के सर्कुलर रोड सहित कई मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें बंद होने से रात के समय छाया अंधेरा वाहन चालकों व राहगीरों के लिए परेशानी बना हुआ है। नगर परिषद की ओर से प्रति वर्ष स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस के लिए लाखों का टेंडर दिया जाता है। इस वर्ष भी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के लिए नया टेंडर चालू है, लेकिन शहर के सरकुलर, दिल्ली रोड, गढ़ी बोलनी रोड, बावल रोड, अनाजमंडी रोड, पुराना हाउसिंग बोर्ड व भाड़ावास रोड सहित मोहल्लों व सेक्टरों में काफी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई है, जिससे रात के समय अंधेरा छाया रहने से लोगों को अनहोनी होने का डर बना रहता है। भाड़ावास गेट के पास स्थित नगर परिषद कार्यालय के बाहर भी स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी है। सरकुलर रोड पर अग्रसेन चौक से ब्रह्मगढ़, बावल चौक, अग्रसेन चौक से धारूहेड़ा चुंगी, झज्जर चौक से नाईवाली चौक के बीच में काफी स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी है।

रेवाड़ी। नेहरू पार्क के सामने स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से छाया अंधेरा। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। बावल रोड पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें, सिर्फ वाहनों की लाइटों की रोशनी।

मेन बाजार में भी कई जगह अंधेरा

शहर के मेन बाजार में भी कई जगह रात के समय अंधेरा रहता है। बाजार में प्र्याप्त स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। मोती चौक, पुरानी सब्जी मंडी, बारा हजारी रोड, जीवली बाजार, रेलवे रोड, काठमंडी व केवल बाजार सहित अन्य बाजार में पर्याप्त स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण रात के समय अंधेरा छाया रहता है, जिससे चोरी की वारदात होने की भी आशंका बनी रही है।

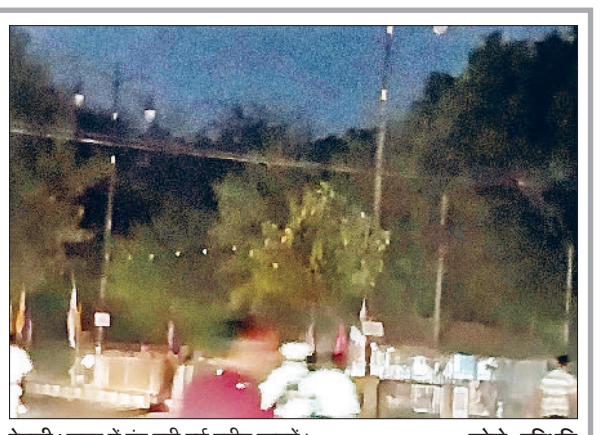

रेवाड़ी। शहर में बंद पड़ी हुई स्ट्रीट लाइटें। फोटो : हरिभूमि

राम भरोसे चलती है व्यवस्था

नगर परिषद की ओर से प्रति वर्ष स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस का लाखों का ठेका के बाद भी शहर की सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें बद रहती है। नया टेंडर होने पर ठेकेदार की ओर से स्ट्रीट लाइटों पर कुछ दिन ही ध्यान दिया जाता है। इसके बाद व्यवस्था राम भरोसे चलती है। शहर में स्ट्रीट लाइटों के अलावा बिजली पोल पर सौन्दर्यकरण के लिए लगाई गई तिरंगा लाइटें भी कई जगह पर बंद पड़ी हुई है।

भाड़ावास रोड आरओबी पर स्ट्रीट लाइटें लगाने की मांग

भाड़ावास रोड पर नवनिर्मित ओवरब्रिज व अंडरपास युचारू रूप से चल रहा है, लेकिन ओवरब्रिज पर स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण रात के समय अंधेरा रहता है। आसपास की कॉलोनियों के लोगों व चालकों को हादसा होने का डर बना रहता है। आरओबी व अंडरपास में स्ट्रीट लाइटें लगावाने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों की ओर से कई बार प्रशासन का अवगत कराया जा चुका है, लेकिन प्रशासन की ओर अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है।

बाइक चोरी करने के मामले में छठा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

धारूहेड़ा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गांव नंदरामपुर बास निवासी सचिन यादव गत 16 फरवरी को गांव के स्टैंड के पास एक वाटिका में लग्न प्रोग्राम में गया था तथा बाइक को वाटिका के बहार खड़ी किया था। जब वह वापस आया तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामले में संलिप्त पांच आरोपी रासीद, सफीक खान उर्फ टुल्ला, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद युसुफ व श्रवण कुमार उर्फ सोनू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी जिला नूंह के गांव फकरपुर खोरी निवासी परवेज को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

रास्ता रोककर मारपीट का आरोप, फरसा दिखाकर मारने की धमकी, एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

- पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

कालूवास के एक युवक का रास्ता रोककर मारपीट करने और बाद में फरसा दिखाकर मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस को दर्ज शिकायत में कालूवास निवासी कार्तिक ने बताया कि 27 फरवरी की शाम रेवाड़ी से अपने घर की ओर जा रहा था। रास्ते में एक बोलेरो गाड़ी में सवार 5-6 युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। उनके पास लाठी-डंडे व पिस्टल भी थे। इनमें एक गोकलगढ़ निवासी युवराज भी था, जिसे वह जानता है। मारपीट के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कार्तिक ने आरोप लगाया कि बाद में युवराज का भाई आदित्य उर्फ माया बाइक लेकर उसके घर पर आया। वह फरसा हाथ में लिए हुए था। फरसे से उसने उसे मारने का प्रयास किया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद आदित्य उर्फ माया को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी आदित्य उर्फ माया। फोटो : हरिभूमि

भारी मात्रा में नशीले पदार्थ सहित एक आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सीआईए की टीम ने राव तुलाराम पार्क के पास नशीला पदार्थ गांजा लेकर खड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 1.079 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है। सीआईए को सूचना मिली थी कि कपिल उर्फ गोलू निवासी गांव डाबड़ी नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है। वह एक पॉलिथीन मे गांजा लेकर बेचने के लिए राव तुलाराम पार्क के पास खडा हुआ है। सीआईए निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई। वहां खड़े एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। तलाश लेने पर उसके कब्जे से 1 किलोग्राम 79 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

सीआईए की टीम ने उसे गिरफ्तार करने के बाद सिटी थाने में केस दर्ज करा दिया। उसे शनिवार को कोर्ट में पेश करने के बाद एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उससे नश तस्करी के बारे में पूछताछ की जाएगी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

गोतस्करी के मामले में पांचवां आरोपी दस साल बाद काबू

रेवाड़ी। वर्ष 2016 में पुलिस की जिप्सी को ट्रक से मारकर फरार हुए गोतस्करों में पांचवें आरोपी को लगभग एक दशक बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। चार आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। 15 मार्च 2016 की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि राजस्थान के चिड़ावा से एक ट्रक गायों को भरकर आ रहा है। पुलिस ने ट्रक से 27 गाय और पांच सांड मुक्त कराए थे। इस मामले में हत्या के प्रयास व गोकशी अधिनियम सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज करते हुए शोकीन, वसीम अकरम, साहिद और इरसाद को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में नूंह के अडबर निवासी आरिफ को गिरफ्तार किया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मसानी के पास नाकेबंदी करते हुए ट्रक के आने का इंतजार किया। यह ट्रक नूंह के मदापुर निवासी नवाब खान का था, उटावड़ निवासी वसीम अकरम का बताया गोतस्करी के लिए इस्तेमाल करता था। ट्रक में ड्राइवर शोकीन, इरसाद, आरिफ, सद्दीक निवासी अडबर मौजूद थे। नाकेबंदी के दौरान जब ट्रक रुकवाने का प्रयास किया गया, तो नाका तोड़कर आरोपी ट्रक को नेशनल हाइवे की ओर भगा ले गए। जब पुलिस ने ट्रक का पीछा किया तो पुलिस की जिप्सी को साइड मारने के बाद चालक व अन्य आरोपी ट्रक छोड़कर फरार हो गए।

जैतपुर धाम में लगी भीड़, लाखों श्रद्धालुओं ने किए श्री श्याम के दर्शन

रेवाड़ी। हरियाणा रेवाड़ी की सीमा से लगते प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जैतपुर धाम में आयोजित श्री श्याम मेले ने इस वर्ष ऐतिहासिक सफलता हासिल की। खाटू के बाद क्षेत्र का सबसे बड़ा और सफल मेला माना जा रहा है। जैतपुर धाम पर एकादशी के पावन अवसर पर एक ही दिन में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की ओर से बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाने का अनुमान लगाया गया है। ग्यारस के दिन और रात लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और पूरा धाम श्याम नाम के जयकारों से गूंजता रहा। मेले के दौरान प्रशासन की ओर से व्यापक प्रबंध किए गए। जिला पुलिस उपाधीक्षक सुरेश खींची, बहरोड़ के सीओ सचिन शर्मा, तहसीलदार अर्जुन लाल तथा थानाधिकारी किरण सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद थे। पुलिस बल ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चिकित्सा विभाग की टीमों ने स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं, वहीं बिजली विभाग ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की। स्कॉउट गाइड के स्वयंसेवकों ने भी श्रद्धालुओं की सेवा में सहयोग दिया। ताराचंद यादव अध्यक्ष श्री श्याम सेवा समिति जैतपुर धाम ने मेले की सफलता पर प्रशासन, पुलिस विभाग, चिकित्सा विभाग, बिजली विभाग, स्कॉउट गाइड सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खाटू के बाद बाबा श्याम का इतना विशाल और सफल मेला आयोजित होना सभी के सामूहिक सहयोग और बाबा के आशीर्वाद का ही परिणाम है। उन्होंने ग्रामवासियों के योगदान को भी सराहा। सरपंच अर्जुन सिंह, सरपंच भोला राम, पंकज फौजी, साहिल, संदीप, अन्नू व पुजारी श्याम चरण सहित समस्त ग्रामवासी मेले के दौरान व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

रेवाड़ी। जैतपुर धाम श्याम मेले में लगी श्रद्धालुओं की कतार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सीसीटीवी में कैद हुए चोर।

न्यू आदर्श नगर के मंदिर में चोरी, सीसीटीवी में नजर आए दो चोर

रेवाड़ी। न्यू आदर्श नगर के प्राचीन शिव मंदिर में शुक्रवार की रात चोर मंदिर का दानपात्र तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरे में दो नाकबपोश चोर नजर आ रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस ने चोरी की जांच और आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। वार्ड नं. 22 निवासी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि चोर रात के समय मंदिर का दानपात्र तोड़कर उससे नकदी चोरी कर ले गए। शनिवार सुबह जब मंदिर में चोरी का पता चला, तो आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई। इसमें दो नकाबपोश युवक मंदिर की ओर जाते हुए नजर आ रहे हैं। कुत्ता भोंकने पर यह लोग कुत्ते की ओर पत्थर फेंकते हुए चोरी के बाद मंदिर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। मुंह पर मास्क होने के कारण उनकी पहचान मुश्किल बनी हुई है। सेक्टर-3 पुलिस चौकी ने शिकायत मिलने के बाद चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

लोगों ने की पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

न्यू आदर्श नगर और परशुराम कॉलोनी के लोगों ने बताया कि रात के समय उनकी कॉलोनियों में संदिग्ध किस्म के लोग घूमते नजर आते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इन कॉलोनियों में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ानी चाहिए, जिससे कोई बड़ी वारदात होने से टल सके।

न्यूनतम तापमान में दर्ज की गई 6 डिग्री तक की वृद्धि, मार्च के पहले सप्ताह में ही गर्मी दिखाएगी तेवर

रात को ठंड का असर हुआ कम, बरसात की अभी संभावना नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

फरवरी माह के अंत में ही दिन के बाद रात के समय भी सर्दी का असर लगभग खत्म होना शुरू हो गया है। रात के तापमान में लगभग 6 डिग्री तक की कमी के कारण सर्दी गायब हो गई है। अब मार्च के पहले ही सप्ताह में गर्मी अपना रंग दिखाना शुरू कर देगी। बरसात की अभी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। बावल क्षेत्र में शुक्रवार की रात कुछ गांवों में बूंदाबांदी हुई। शनिवार सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। तेज धूप के चलते सर्दी की जगह गर्मी ने लेना शुरू कर दिया है। अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री की मामूली गिरावट दर्ज की गई। यह 32.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रात का तापमान अचानक 5.9 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 15.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 45 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवाओं की रफ्तार काफी कम रही। दोपहर तक गर्मी का असर बढ़ने के कारण पंखे चलने शुरू हो गए। इसी तरह तापमान बढ़ता रहा, तो मार्च के दूसरे पखवाड़े में एसी और कूलर भी घनघनाने शुरू हो जाएंगे। मौसम में बदलाव आने के बाद गर्म कपड़ों से छुटकारा मिलने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार से दिन-रात के तापमान में और वृद्धि दर्ज की जा सकती है। तेज रफ्ताए से हवाएं चलने की संभावना है, बरसात की अभी कोई संभावना नहीं है।

रेवाड़ी। एक खेत में लहलहाती गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

अब प्रदूषण का संकट भी बढ़ने की आशंका

सुबह के समय प्रदूषण का संकट ज्यादा बना रहता है। शनिवार को सुबह के समय एक्यूआई 271 दर्ज किया गया। तेज धूप खिलने के बाद तापमान बढ़ते ही शाम के समय एक्यूआई 100 के आसपास आ गया। रविवार से ईंट भट्टों का संचालन शुरू होने जा रहा है। लगभग 100 ईंट भट्टों के साथ चालू होने के बाद एक्यूआई में आने वाले दिनों में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा सकती है। हालांकि कई भट्टा संचालकों ने प्रदूषण से निजात पाने के उपाय अपनाने शुरू कर दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर बढ़ने की आशंका है।

गेहूं पर हवा और दीमक की मार का खतरा

मौसम अभी तक रबी फसलों के अनुकूल साबित हुआ है। इस समय अगेती सरसों की कटाई शुरू हो चुकी है। गेहूं की पछेती फसल को गर्मी और तेज हवाओं के कारण नुकसान की आशंका बनी रहेगी। तेज हवा चलने और रेत गर्म होने से गेहूं की फसल पर दीमक का हमला हो सकता है, जिससे गेहूं समय से पहले सूखना शुरू हो जाता है। कृषि विशेषज्ञ किसानों को गेहूं की निरंतर सिंचाई करने की सलाह दे रहे हैं, ताकि रेत ठंडा होने से दीमक जमीन के बाहर नहीं आ सके।

होली से समझें निवेश के चटख रंग

लाल पीला, हरा या नीला

किस 'रंग' के एसेट में कितना पैसा लगाने से भविष्य होगा मजबूत

•

गोल्ड, इक्विटी, डेब्ट और हाई-रिस्क निवेश में उम्र के हिसाब से पैसा लगाएं

होली का आनंद तभी है जब हर रंग का संतुलित मिश्रण हो। ठीक वैसे ही निवेश में भी संतुलन जरूरी है। यदि आप इन चारों रंगों का सही तालमेल बिठा लेते हैं, तो आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बन सकता है। इस होली केवल गुलाल न उड़ाएं, बल्कि अपने वित्तीय जीवन को भी नए रंग दें। अनुशासन, धैर्य और संतुलन यही है सफल निवेश का मंत्र। जब आपका पोर्टफोलियो संतुलित होगा, तभी आपका भविष्य सच में रंगीन व खुशहाल होगा।

निवेश मंत्रा

सेंट्रल डेस्क

होली का त्योहार रंगों, उमंग और नई शुरुआत का प्रतीक है। जैसे होली के हर रंग का अपना महत्व होता है, वैसे ही निवेश की दुनिया में भी हर एसेट क्लास की अलग भूमिका होती है। अक्सर लोग निवेश को लेकर दो बड़ी गलतियां करते हैं या तो सारा पैसा सुरक्षित समझकर एफडी और बचत खाते में डाल देते हैं, या फिर तेजी के लालच में पूरा धन शेयर बाजार में लगा देते हैं। दोनों ही स्थितियां लंबे समय में संतुलित नहीं मानी जातीं। असल में मजबूत वित्तीय भविष्य का राज डायवर्सिफिकेशन यानी संतुलित निवेश में छिपा है। यदि आपके पोर्टफोलियो में पीला (गोल्ड), हरा (इक्विटी), नीला (डेब्ट) और थोड़ा सा लाल (हाई-रिस्क) रंग सही अनुपात में हो, तो आपका आर्थिक जीवन भी होली की तरह रंगीन और संतुलित बन सकता है।

पीला रंग
गोल्ड, सुरक्षा व स्थायित्व

भारत में सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। निवेश की दृष्टि से गोल्ड को सेफ हेवन कहा जाता है। जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है या वैश्विक तनाव होता है, तब सोना अक्सर स्थिरता प्रदान करता है। गोल्ड का मुख्य उद्देश्य तेज रिटर्न देना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो को संतुलित रखना है। यह महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 10% से 15% हिस्सा गोल्ड में होना चाहिए। इससे ज्यादा निवेश करने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। आज के समय में फिजिकल गोल्ड की बजाय सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इससे शुद्धता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहती है।

हरा रंग
इक्विटी ग्रोथ का असली इंजन

हरा रंग खुशहाली और तरक्की का प्रतीक है। निवेश में यह इक्विटी यानी शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड को दर्शाता है। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की उच्च शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता—तो इक्विटी से बेहतर विकल्प मुश्किल है। इतिहास बताता है कि लंबी अवधि (15–20 वर्ष) में इक्विटी ने अन्य एसेट क्लास की तुलना में बेहतर रिटर्न दिए हैं। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव रहता है, लेकिन समय के साथ यह अस्थिरता संतुलित हो जाती है। एक सरल फॉर्मूला यह है कि 100 में से अपनी उम्र घटाइए जो संख्या आए, उतना प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 30 वर्ष है, तो लगभग 70% तक इक्विटी में निवेश संभव है (जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार)। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर खरीदने की बजाय एसआईपी के माध्यम से डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर रहता है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम होता है और नियमित निवेश की आदत बनती है।

नीला रंग : डेब्ट/एफडी :
स्थिरता और भरोसा

नीला रंग शांति और संतुलन का प्रतीक है। निवेश में यह डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), डेब्ट म्यूचुअल फंड और बॉन्ड को दर्शाता है। डेब्ट का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न देना है। यह उन लक्ष्यों के लिए जरूरी है जो निकट भविष्य में पूरे करने हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर की डाउन पेमेंट या इमरजेंसी फंड। हर व्यक्ति को कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड डेब्ट में रखना चाहिए। इससे अचानक नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में मदद मिलती है। डेब्ट का हिस्सा उम्र के साथ बढ़ाना समझदारी है। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। हालांकि एफडी सुरक्षित विकल्प है, लेकिन डेब्ट म्यूचुअल फंड या उच्च रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड भी बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझना जरूरी है।

लाल रंग : हाई रिस्क, अवसर और सावधानी

लाल रंग ऊर्जा और जोश का प्रतीक है, लेकिन निवेश में यह सावधानी का संकेत भी देता है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी, पेनी स्टॉक्स, स्मॉल कैप के अत्यधिक अस्थिर शेयर या ट्रेंड आधारित निवेश शामिल हो सकते हैं। इनमें कम समय में बड़ा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, लेकिन नुकसान का खतरा भी उतना ही अधिक रहता है। इसलिए इसमें कुल निवेश का 2% से 5% से अधिक हिस्सा नहीं होना चाहिए। लाल रंग को मुख्य निवेश की तरह नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक हिस्से की तरह देखें। यदि नुकसान हो भी जाए, तो आपकी कुल वित्तीय स्थिति पर बड़ा असर न पड़े।

उम्र के अनुसार निवेश का संतुलन

उम्र के साथ वित्तीय प्राथमिकताएं बदलती हैं। इसलिए पोर्टफोलियो का संतुलन भी समय-समय पर बदलना चाहिए।

20–30 वर्ष : इस उम्र में जिम्मेदारियां कम और जोखिम लेने की क्षमता अधिक होती है। लगभग 70% इक्विटी, 20% डेब्ट और 10% गोल्ड उपयुक्त हो सकता है।

30–45 वर्ष : परिवार और जिम्मेदारियां बढ़ती हैं। इक्विटी 50–60%, डेब्ट 25–35% और गोल्ड 10–15% तक संतुलित रखा जा सकता है।

45–55 वर्ष : रिटायरमेंट की योजना बनानी शुरू कर दें। इक्विटी कम कर 30–40% रखें और डेब्ट 50% तक बढ़ाएं।

60 वर्ष के बाद : पूंजी की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। 60–70% डेब्ट, 10–20% गोल्ड और सीमित इक्विटी पर्याप्त है।

इस होली करें पोर्टफोलियो की सफाई

- जैसे हम होली से पहले घर की सफाई करते हैं, वैसे ही निवेश की समीक्षा भी जरूरी है।
- उन निवेशों को हटाएं जो वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।
- यदि बाजार तेजी से बढ़ा है और इक्विटी का हिस्सा बहुत ज्यादा हो गया है, तो मुनाफा निकालकर डेब्ट या गोल्ड में ट्रांसफर करें।
- हर साल कम से कम एक बार री-बैलेंसिंग करें।
- छोटी राशि से भी नई एसआईपी शुरू करें। नियमित निवेश लंबी अवधि में बड़ा अंतर लाता है।
- बीमा और इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें।

ऐसे समझें महत्व

- पीला रंग देता है सुरक्षा।
- हरा रंग देता है ग्रोथ।
- नीला रंग देता है स्थिरता।
- लाल रंग देता है अवसर।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट के लिए क्यों बढ़ रहा पैसिव फंड्स का क्रेज?

बचत

सेंट्रल डेस्क

क्या आप भी आईटी या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन स्टॉक चुनने में उलझे हैं? तो आप अकेले नहीं हैं। बदलते निवेश ट्रेंड्स के बीच, अब निवेशकों के लिए एक स्मार्ट और आसान तरीका सामने आया है: पैसिव म्यूचुअल फंड्स। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के अनुसार, पैसिव फंड्स अब सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान बना रहे हैं, और इसने निवेशकों के बीच इसका क्रेज तेजी से बढ़ाया है। इस लेख में हम जानेंगे कि पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे क्या कारण हैं और कैसे यह निवेशकों को सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में एक बेहतरीन विकल्प दे रहे हैं।

पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता

आज के निवेश माहौल में, जहां अनिश्चितताएं और बाजार के उतार-चढ़ाव सामान्य हो गए हैं, निवेशक अपनी निवेश रणनीतियों को सरल, सस्ते और सुरक्षित बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पैसिव फंड्स का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये कम लागत, अच्छी पारदर्शिता, और कम जोखिम के साथ निवेश के एक बेहतरीन तरीके के रूप में उभर रहे हैं। पैसिव म्यूचुअल फंड्स अब निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बन चुके हैं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को भी आसान और सुरक्षित बना रहे हैं। पहले जहां किसी विशेष सेक्टर में निवेश करने के लिए काफी रिसर्च और स्टॉक चयन की आवश्यकता होती थी, वहीं पैसिव फंड्स ने इसे सरल बना दिया है। इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ के माध्यम से, निवेशक अब आसानी से किसी भी सेक्टर की ग्रोथ का फायदा उठा सकते हैं, चाहे वह आईटी, फार्मा, बैंकिंग, या कोई और सेक्टर हो।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट क्यों है आसान?

पैसिव फंड्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीधे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है, जैसे कि निफ्टी आईटी, निफ्टी बैंक, या निफ्टी फार्मा। इन फंड्स का मैनेजर केवल उस इंडेक्स में मौजूद स्टॉक्स में निवेश करता है, जैसा कि इंडेक्स में निर्धारित होता है। इससे निवेशक को स्टॉक्स के चयन में होने वाली गलती से बचने का फायदा मिलता है। माना कि आप मानते हैं कि आईटी सेक्टर आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब, अगर आप इस सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, तो पहले आपको उसके कुछ प्रमुख स्टॉक्स का चुनाव करना पड़ता था। लेकिन अब पैसिव फंड्स के जरिए आप बिना किसी जोखिम के पूरे आईटी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप उस सेक्टर के सारे स्टॉक्स में निवेश कर रहे होते हैं, न कि केवल कुछ चुने हुए स्टॉक्स में। इससे, किसी एक स्टॉक के गलत चुनाव से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है, आप पूरी इंडस्ट्री की ग्रोथ में शामिल होते हैं।

कम लागत और पारदर्शिता का फायदा

अन्य कारण जो पैसिव फंड्स को निवेशकों के बीच अधिक लोकप्रिय बना रहा है, वह है इनकी कम लागत व पारदर्शिता। पैसिव फंड्स का एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम होता है, जो निवेशक के लॉन्ग-टर्म रिटर्न पर सकारात्मक असर डालता है। पैसिव फंड्स में निवेशक को स्पष्ट रूप से पता होता है कि उनका पैसा किस-किस स्टॉक में निवेशित है, क्योंकि ये फंड्स किसी विशेष इंडेक्स का अनुसरण करते हैं। उदाहरण के लिए, निफ्टी आईटी इंडेक्स में जो 10-15 स्टॉक्स शामिल हैं, वे सभी पैसिव फंड में भी मौजूद होते हैं। इस पारदर्शिता की वजह से निवेशकों को ये फंड्स अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित लगते हैं। यही कारण है कि ये छोटे और नए निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

सेक्टोरल कॉल्स लेने में रिस्क मैनेजमेंट

हालांकि, सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में जोखिम हमेशा रहता है। किसी एक सेक्टर पर अधिक निर्भरता कभी भी नुकसानदायक हो सकती है, अगर वह सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करे। लेकिन पैसिव फंड्स के जरिए इस रिस्क को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मानना है कि पैसिव फंड्स के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। सेक्टोरल फंड्स, जैसे कि आईटी, बैंकिंग, या फार्मा, इन क्षेत्रों में उछाल आने पर अच्छा रिटर्न देते हैं। इन फंड्स में निवेश करने से निवेशक उस पूरे सेक्टर के लाभ का पूरा फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, इन फंड्स में लिक्विडिटी भी अच्छी होती है, यानी निवेशक अपनी स्थिति के हिसाब से आसानी से अपने निवेश को भुना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर बैंकिंग सेक्टर में तेजी आती है और आपको लगता है कि यह काफी समय तक बढ़ेगा, तो आप बैंकिंग पैसिव फंड्स में निवेश कर सकते हैं। यदि किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो आप अपने निवेश को बदल सकते हैं और दूसरी सेक्टरल फंड में ले सकते हैं।

पैसिव फंड्स का भविष्य

आज के निवेशकों के लिए, जिनके पास समय की कमी है और जो रिसर्च या स्टॉक चयन में उलझना नहीं चाहते, पैसिव फंड्स एक बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। इन फंड्स में निवेश करने के द्वारा, निवेशक सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट का फायदा उठाते हुए कम लागत में अधिक पारदर्शिता और सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं। यही कारण है कि ये फंड्स अब निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। वहीं, जैसे-जैसे बाजार और निवेश की दुनिया में बदलाव हो रहा है, पैसिव फंड्स का महत्व और बढ़ने की संभावना है। यह उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो आर्थिक बदलावों का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन जोखिम से बचना भी चाहते हैं।

इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान

पैसिव फंड्स ने निवेशकों के लिए सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान और सुरक्षित बना दिया है। पहले जहां निवेशक को सेक्टोरल स्टॉक्स के चयन में काफी रिसर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब पैसिव फंड्स ने इस काम को आसान बना दिया है। इसके जरिए निवेशक किसी भी खास सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। कम लागत, पारदर्शिता व बेहतर रिस्क मैनेजमेंट की वजह से पैसिव फंड्स अब निवेशकों की पहली पसंद बन रहे हैं। चाहे आप आईटी सेक्टर में निवेश करना चाहते हों या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हों, पैसिव फंड्स आपको इसे सरल और प्रभावी तरीके से करने का मौका दे रहे हैं।

जानकारी

सेंट्रल डेस्क

मल्टी-एसेट फंड्स का क्रेज, गोल्ड और सिल्वर ने चमकाई निवेशकों की किस्मत

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निवेशकों का रुख तेजी से मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स (एमएएफएस) की ओर बढ़ा है। अस्थिर बाजार में जहां पारंपरिक इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न दबाव में रहे, वहीं इन फंड्स ने विविध एसेट क्लास में निवेश की रणनीति से निवेशकों को बेहतर संतुलित रिटर्न दिया। ताजा उद्योग आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पिछले एक साल में 72% बढ़कर करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह उछाल बताता है कि निवेशक अब केवल शेयर बाजार पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

गोल्ड और सिल्वर की रिकॉर्ड तेजी का असर

पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, मल्टी-एसेट फंड्स ने औसतन 23% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 50 ने इसी अवधि में लगभग 14.27% का रिटर्न दिया। इस बेहतर प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारण रहा कीमती धातुओं की चमक। चांदी की कीमतों में लगभग 171% और सोने में करीब 81% तक की तेजी दर्ज की गई। चूंकि मल्टी-एसेट फंड्स अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ या संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स शामिल करते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में उछाल का सीधा फायदा निवेशकों को मिला।

क्या हैं मल्टी-एसेट फंड्स?

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड होते हैं जो कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इनमें इक्विटी (शेयर), फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड/डेट इंस्ट्रूमेंट) और कमोडिटी (मुख्यतः सोना और चांदी) शामिल हैं। इन फंड्स की सबसे बड़ी खासियत है ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग। यानी अगर शेयर बाजार बहुत तेजी से ऊपर जाता है और पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर मुनाफावसूली कर उस राशि को गोल्ड या डेट में शिफ्ट कर देता है। इसी तरह, यदि बाजार गिरता है तो कम कीमत पर इक्विटी बढ़ाई जाती है। इससे जोखिम संतुलित रहता है और निवेशक को बार-बार खुद निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ती।

अस्थिर बाजार में स्थिरता का सहारा

बाजार की अनिश्चितता के दौर में डायवर्सिफिकेशन (विविधीकरण) सबसे कारगर रणनीति मानी जाती है। मल्टी-एसेट फंड्स इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। जब इक्विटी कमजोर होती है, तब डेट या गोल्ड सहारा देते हैं। वहीं तेजी के दौर में इक्विटी रिटर्न को आगे बढ़ाती है। वेल्थ मैनेजर्स का कहना है कि जिन निवेशकों के पास बाजार को लगातार ट्रैक करने का समय या अनुभव नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बेहद उपयुक्त है। खासकर नए निवेशकों या मध्यम जोखिम लेने वालों के लिए ये फंड संतुलित रणनीति पेश करते हैं।

टैक्स का फायदा भी बड़ा कारण

मल्टी-एसेट फंड्स की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण टैक्स एफिशिएंसी भी है। यदि कोई निवेशक खुद शेयर बेचकर सोना खरीदता है या एसेट क्लास बदलता है, तो हर लेनदेन पर उसे कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। लेकिन फंड के भीतर फंड मैनेजर द्वारा की गई खरीद-फरोख्त पर निवेशक को अलग से टैक्स नहीं देना होता। यदि किसी मल्टी-एसेट फंड में इक्विटी का हिस्सा 65% या उससे अधिक है, तो वह टैक्स के लिहाज से इक्विटी फंड की श्रेणी में आता है। ऐसे में निवेशक को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स का लाभ मिलता है, जो अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक फायदेमंद हो सकता है। यही वजह है कि टैक्स प्लानिंग के नजरिए से भी ये स्कीम आकर्षक बन रही हैं।

किसके लिए हैं उपयुक्त?

- वे निवेशक जो मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहते हैं
- वे लोग जिनके पास पोर्टफोलियो मैनेज करने का समय नहीं है
- रिटायरमेंट या दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए संतुलित निवेश चाहने वाले
- अस्थिर बाजार में पूंजी संरक्षण के साथ ग्रोथ चाहने वाले
- हर निवेशक की जरूरत और जोखिम क्षमता अलग होती है। इसलिए फंड चुनते समय यह देखना जरूरी है कि उसमें इक्विटी, डेट और कमोडिटी का अनुपात क्या है। कुछ फंड आक्रामक होते हैं जिनमें इक्विटी का हिस्सा ज्यादा होता है, जबकि कुछ अपेक्षाकृत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हैं।

क्या आगे भी बनी रहेगी चमक?

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के माहौल में गोल्ड और सिल्वर जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग बनी रह सकती है। हालांकि, पिछले साल जैसी असाधारण तेजी हर साल मिले, यह जरूरी नहीं। इसलिए निवेशकों को केवल पिछले रिटर्न देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य और समयावधि के अनुसार रणनीति बनानी चाहिए।

रिटायरमेंट के समय निवेश की बदल जाती हैं प्राथमिकताएं, महंगाई भी बड़ी चुनौती

सीनियर सिटीजंस के लिए म्यूचुअल फंड सबसे सुरक्षित व फायदेमंद

रिटायरमेंट के बाद नहीं होगी कोई परेशानी, आराम से कटेगा बुढ़ापा

पूंजी को सुरक्षित रखते हुए बनाना होता है नियमित कैश फ्लो

तैयारी

सेंट्रल डेस्क

रिटायरमेंट के बाद जिंदगी का सबसे अहम सवाल होता है क्या नियमित आय बनी रहेगी और क्या जमा पूंजी सुरक्षित रहेगी? नौकरी के दौरान हर महीने सैलरी आती है, लेकिन रिटायरमेंट के बाद वही आय पेंशन, ब्याज या निवेश पर निर्भर हो जाती है। ऐसे में सिर्फ पैसा बचाकर रखना काफी नहीं होता, बल्कि उसे समझदारी से निवेश करना जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीनियर सिटीजंस के लिए ऐसे म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न और नियमित आय की सुविधा दें। रिटायरमेंट के समय निवेश की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। अब लक्ष्य तेजी से पैसा बढ़ाना नहीं, बल्कि पूंजी को सुरक्षित रखते हुए नियमित कैश फ्लो बनाना होता है। साथ ही महंगाई भी एक बड़ी चुनौती है। अगर पैसा सिर्फ सेविंग अकाउंट या पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में रखा जाए, तो महंगाई की वजह से उसकी वास्तविक क्रय शक्ति घट सकती है। इसलिए ऐसी रणनीति जरूरी है जो जोखिम को सीमित रखते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सके। वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, सीनियर सिटीजंस के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, इक्विटी सेविंग्स फंड्स और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स जैसे विकल्प संतुलित निवेश का रास्ता दिखाते हैं। इन फंड्स के साथ सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) जोड़ दिया जाए तो हर महीने नियमित आय भी सुनिश्चित की जा सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स: मार्केट के हिसाब से एसेट एलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स या डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट में निवेश का अनुपात बदलते रहते हैं। जब बाजार महंगा या जोखिमपूर्ण दिखता है, तो फंड मैनेजर इक्विटी एक्सपोजर घटाकर डेट में निवेश बढ़ा देते हैं। वहीं बाजार में गिरावट के समय इक्विटी हिस्सा बढ़ाया जाता है। इस रणनीति का फायदा यह है कि निवेशक को बाजार के समय का अनुमान लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। फंड मैनेजर खुद जोखिम को मैनेज करता है। रिटायरमेंट के बाद ऐसे फंड्स निवेशकों को अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं।

किन बातों का रखें ध्यान?

हालांकि ये फंड्स अपेक्षाकृत कम जोखिम वाले माने जाते हैं, फिर भी निवेश से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है

जोखिम प्रोफाइल समझें: हर व्यक्ति की जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है।

एसेट एलोकेशन तय करें

- **आपातकालीन फंड रखें :** कम से कम 6 से 12 महीने का खर्च लिक्विड फंड या सेविंग अकाउंट में रखें।
- **टैक्स प्लानिंग करें :** निकासी और कैपिटल गेन पर लगने वाले टैक्स को समझें।
- **वित्तीय सलाह लें :** किसी प्रमाणित वित्तीय सलाहकार से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स : सुरक्षा के साथ सीमित ग्रोथ

रिटायर्ड निवेशकों के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स एक लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं। इन फंड्स में आमतौर पर 75 से 90 प्रतिशत हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश किया जाता है। बाकी 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी में लगाया जाता है। डेट हिस्से की वजह से पोर्टफोलियो में स्थिरता बनी रहती है, जबकि सीमित इक्विटी एक्सपोजर महंगाई से मुकाबला करने में मदद करता है। यही वजह है कि जोखिम लेने से बचने वाले सीनियर सिटीजंस के लिए ये फंड्स एफडी की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उतार-चढ़ाव भी नियंत्रित रहता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये भी बाजार आधारित उत्पाद हैं। इनमें रिटर्न की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला है।

इक्विटी सेविंग्स फंड्स : संतुलन और टैक्स एफिशिएंसी

इक्विटी सेविंग्स फंड्स उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयुक्त माने जाते हैं, जो 3 से 5 साल की मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि ये इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज रणनीति के बीच संतुलन बनाते हैं। आर्बिट्राज का मतलब है बाजार के अलग-अलग सेगमेंट में कीमतों के अंतर का फायदा उठाना। इससे फंड को अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ रिटर्न कमाने का मौका मिलता है। चूंकि ये फंड्स इक्विटी कैटेगरी में आते हैं, इसलिए टैक्सेशन के लिहाज से भी निवेशकों को फायदा मिल सकता है। प्योर इक्विटी फंड्स की तुलना में इनका उतार-चढ़ाव कम होता है। यही कारण है कि जो सीनियर सिटीजंस पूरी तरह इक्विटी में निवेश नहीं करना चाहते, लेकिन एफडी से थोड़ा ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए यह एक संतुलित विकल्प हो सकता है।

एसडब्ल्यूपी : पेंशन जैसा नियमित कैश फ्लो

सिर्फ निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे नियमित आय निकालने की व्यवस्था भी जरूरी है। यहां सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। एसडब्ल्यूपी के तहत निवेशक एकमुश्त राशि किसी हाइब्रिड या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में लगाते हैं और फिर हर महीने एक निश्चित रकम निकालते रहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी वरिष्ठ नागरिक ने 20 लाख रुपये निवेश किए हैं और वे हर महीने 15,000 रुपये निकालना चाहते हैं, तो एसडब्ल्यूपी के जरिए यह संभव है। शेष राशि बाजार में निवेशित रहती है और संभावित रूप से बढ़ती भी रहती है। इस तरह निवेशक को पेंशन जैसी नियमित आय मिलती है और पूंजी भी धीरे-धीरे खत्म होने के बजाय काम करती रहती है। एसडब्ल्यूपी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह वित्तीय अनुशासन बनाए रखता है। निवेशक जरूरत से ज्यादा रकम नहीं निकालते और लंबी अवधि तक फंड बना रहता है।

खबर संक्षेप

कनीना में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

नारनौल। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्देशानुसार पुनरीक्षण प्राधिकारी कनीना एवं उपमण्डल अधिकारी कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह ने नगर पालिका कनीना के सभी वार्डों की भिजवाई गई मतदाता सूचियों के प्रारम्भिक प्रकाशन की सूचना का अतिरिक्त उपायुक्त तरुण पावरिया ने प्रारम्भिक प्रकाशन कर दिया। हरियाणा नपा निर्वाचन नियमावली के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित किए गए स्थानों पर दावें व आपत्ति कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नया कार्यालय भवन में स्थापित मतदाता सूचना एवं संग्रह केन्द्र के समक्ष सभी वार्डों एक से 14 के सात मार्च तक दावें व आपत्तियां प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

बाबा श्याम मेला: भक्तों ने यात्राएं निकाली

मेहंद्रगढ़। बाबा श्याम मेले पर बवाना के खाटू श्याम मंदिर में भव्य देवोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालडी, संस्कार भारती डिग्री कॉलेज, बसई और जाट गांव से मंदिर तक भक्तों की यात्राएं निकाली गईं। इन यात्राओं में भक्तों ने बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए मंदिर तक पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा श्याम मेले पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया । इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्तों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थी।

इंडस्ट्री लगाने व प्रॉपर्टी में मोटा पैसा कमाने का लालच देकर हड़पे करोड़ों

आईटीआई प्राचार्य से 1.99 करोड़ का फ्रॉड, बैंक कर्मी भी शामिल!

आईसीआईसीआई, यश, एक्सिस, आदित्या बिरला व एचडीएफसी बैंक मैनेजर पर संलिप्त के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला मुख्यालय नारनौल की आईटीआई के प्राचार्य के साथ ही धोखाधड़ी हो गई। बार बार मना करने के बाद भी उन्हें इंडस्ट्री लगाने और प्रोपर्टी में मोटा पैसा कमाने का लालच दिया। इस झांसे में प्राचार्य फंस गया और अपने सहित परिवार व परिचितों के एक करोड़ 99 लाख रुपये गंवा दिए। मामला वर्ष 2022-23 से शुरू हुआ। तब से अब तक प्राचार्य को झांसे में लेकर परेशान भी किया। जब पैसा वापस आता दिखाई नहीं दिया तो प्राचार्य ने पुलिस की शरण ली। एसपी को शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर सात नामजद सहित आईसीआईसीआई, यश बैंक, एक्सिस बैंक, आदित्या बिरला बैंक व एचडीएफसी बैंक के बैंक मैनेजर पर भी संलिप्त के आरोप लगे है।

प्राचार्य विनोद कुमार।

मामला वर्ष 2022-23 से शुरू हुआ, पैसा वापस नहीं आने पर की शिकायत

एमएसएमई लोन से फैक्ट्री का दिया झासा

आईटीआई के प्राचार्य विनोद कुमार ने सिटी पुलिस को शिकायत दी है। इस शिकायत में प्राचार्य ने बताया है कि वर्ष 2022-23 में आईटीआई महेंद्रगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार था। उस वक्त वहां ग्रुप अनुदेशक पद पर मीरसिंह कार्यरत था। उसके पास ही राकेश कुमार लगातार हमारे संस्थान में आता रहता था। कुछ दिनों बाद मीरसिंह खुद अपने बेटे आशुतोष व अपने मित्र राकेश के साथ कार्यालय में आकर अच्छी प्रोपर्टी दिलवाने के लिए कहते रहते थे और वो सब ये बताते रहते थे कि हम आपको अच्छी जमीन दिलवाकर एमएसएमई के तहत लोन करवाकर अच्छी फैक्ट्री लगाकर देंगे और यदि जमीन नहीं दी तो उसके बदले में जो भी राशि आप दोंगे, उस राशि को ब्याज के साथ वापस लौटा देंगे। उन लोगों ने यह भी बताया कि हमारे पास एक अच्छी टीम है जो प्रॉपर्टी व अच्छा मुनाफा देने का कार्य करते रहते है। उसके बाद उनके द्वारा आठ फरवरी 2024 को एसबीआई बैंक अकाउंट में 19 लाख 95 हजार 100 रुपये डलवाएं जोकि एचडीएफसी बैंक का था तथा उसी दिन ही 20 लाख 92 हजार 921 रुपये डलवाएं जोकि आईसीआईसीआई बैंक का लोन था। मैंने उसी दिन यह लोन के रुपये इनके कहने पर आठ फरवरी 2024 को आशुतोष के एचडीएफसी बैंक अकाउंट में 21 लाख तथा उसी दिन दमन कुमार के आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में 20 लाख रुपये डलवा दिए। फिर कहा कि उसके अकाउंट में ओर लोन मत करवाना लेकिन अगले ही दिन नौ फरवरी 2024 को इन्होंने 22 लाख 27 हजार 939 रुपये आदित्य बिरला बैंक से खाता में लोन करवा दिया जो रुपये उसी दिन मीरसिंह के एचडीएफसी अकाउंट में 22 लाख रुपये डलवा दिए। उनके तीन दिन बाद उन्होंने एक्सिस बैंक से मेरे अकाउंट में 13 लाख 17 हजार 178 रुपये का एक ओर लोन करवा दिया। उसके बाद एक लोन येस बैंक से अकाउंट में 19 लाख 45 हजार 77 रुपये ओर डलवा दिए।

यह बनाया गया आरोपित

महेंद्रगढ़ में कुरावहटा रोड वासी मीरसिंह व उसका बेटा आशुतोष, आमगामनी सोसायटी रेवाड़ी से राकेश, हिमाचल प्रदेश के मनाली में क्लब हाउस रोड पर रहने वाले दमन कपूर, जींद नागुरा वासी जोगिंदर, एन्जेल इन्डस्ट्रीज कोलकाता डायरेक्टर, नारनौल शहर वासी अनिल कुमार के अलावा बैंक मैनेजर आईसीआईसी, यश बैंक, एक्सिस बैंक, आदित्या बिरला बैंक व एचडीएफसी बैंक संलिप्त है। इन सभी को आरोपित बनाकर इन पर आईपीसी 1860 की धारा 120बी, 294, 34, 406, 420, 506 के तहत केस दर्ज किया है।

कोलकाता में इंडस्ट्री बता ठगे लाखों

एक दिन मीरसिंह ने बताया कि उसकी इंडस्ट्री कोलकाता में है और वह वहां जाकर भी काम करत है। जिसका नाम एंजेल इंडस्ट्री है और उसके अकाउंट का मालिक मैं और मेरे कुछ मित्र है। जो अच्छा बिजनेस कर रहे है। उसने उस अकाउंट की डिटेल भी दी और बताया कि आपको एंजेल इंडस्ट्री में पैसे देने है जोकि आपके अकाउंट से एंजेल इंडस्ट्री के अकाउंट में ही जाएंगे। मीरसिंह की बातों में विश्वास करके खातों में एंजेल इंडस्ट्री के खाते में डाले। यहां पैसा 25 अगस्त 2023 को पत्नी के एसबीआई अकाउंट से पांच लाख और 29 अगस्त 2023 को तीन लाख डाले गए। उसके बाद छह सितम्बर 2023 को पांच लाख डाले गए। फिर 30 सितम्बर 2023 को मेरे अकाउंट से 50 हजार डाले गए। इसके बाद 11 अक्टूबर 2023 को पांच लाख 50 हजार उपरोक्त अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। फिर 18 अक्टूबर 2023 को तीन लाख 50 हजार डाले गए। इसके बाद 16 दिसम्बर 2023 को उपरोक्त अकाउंट में रितेदार जयपाल सिंह के अकाउंट से 22 लाख रुपये उपरोक्त अकाउंट में डाले गए। इसके अतिरिक्त 11 जनवरी 2024 को भाभी के द्वारा मीरसिंह के इंडस बैंक अकाउंट में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। उसके बाद 19 फरवरी 2024 को दोबारा मीरसिंह के एचडीएफसी बैंक अकाउंट में 10 लाख रुपये जमा करवाए गए। 30 मार्च 2024 को पत्नी के खाते से मीरसिंह के एचडीएफसी बैंक खाता में आठ लाख रुपये डाले गए।

नकली हस्ताक्षर के कारण हुआ चेक बाउंस

जब वह इनसे जमीन या पैसों की डिमांड करता तो ये आनाकानी करते और एक दिन इन्होंने कहा कि आपका सारा पैसा चेक के द्वारा वापिस आपको मिल जाएगा। उसके कुछ दिनों बाद इन्होंने डाक के द्वारा एक चैक भेजा, जिसकी अमाउंट 39 लाख 57 हजार की थी। यह चेक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का है। यह चेक अकाउंट में लगाया तो बाउसं हो गया। बैं अधिकारियों को तर्क था कि चेक पर हस्ताक्षर नकली है। यह खाता भी बंद पड़ा है। इस बारे में जब फोन पर मीरसिंह, उसके बेटे आशुतोष, दमन कपूर व राकेश यादव से पूछात तो इन सभी लोगोंन ने फोन उठाना बंद कर दिया। जब उनके मिलने की कोशिश करता तो मिलने से आनाकानी करने लगे। अब यह लोग ना तो फोन उठाते है ना ही कहीं मिलते है। इन सब पेमेंट के साथ और बाद में भी इन सब को जमीन व प्लाट देने के लिए कहा। शिकायतकर्ता ने एसपी से मांग की है कि उपरोक्त सभी अपराधिक व्यक्तियों, बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की भी एफआईआर दर्ज करते हुए इन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

रेवाड़ी। छात्राओं को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

कुंडल स्कूल के बुनियाद लेवल-2 में सफल विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

राजकीय माध्यमिक विद्यालय कुंडल के मौलिक मुख्याध्यापक सुधीर कुमार व सरपंच डा. रामफल ने शनिवार को बुनियाद लेवल-2 में राज्य स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्रा पूजा व लक्ष्मी कक्षा आठवीं को पाठ्य सामग्री भेंटकर सम्मानित किया।इसी कड़ी में राज्य स्तर पर खो-खो खेल प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ी पूजा व मनीषा को सुधीर यादव स्टेट अवार्डी व देशराज पीटीआई ने खेल प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षक शशि कुमार, योगेश कुमार, लक्ष्मी नारायण, ममता कुमारी, मनीषा कुमारी,भारत सिंह समाजसेवी व बलराम उपस्थित थे।

श्री कृष्ण स्कूल के बारह छात्र सैनिक स्कूल में चयनित

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल के 12 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त करके स्कूल व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया स्कूल संचालक सुरेश कुमार यादव ने परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी काव्या, करण, पूर्वी, रजत, रिद्धी, प्रांजल, अंशिका, गुंजन, टिंकू, रुद्र, ध्रुव व अमनराज को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्कूल की ओर से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर पूरा ध्यान दिया जाता है।

शारदा कॉलोनी में सप्ताह से पेयजल सप्लाई ठप

■ कॉलोनीवासियों ने लगाया पानी सप्लाई में भेदभाव का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नारनौल रोड पर स्थित शारदा कालोनी वार्ड 11 में बीते एक सप्ताह से पेयजल सप्लाई ठप पड़ी है। परेशान लोगों ने विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया। इसके बावजूद स्थिति यथावत बनी है। जिससे आक्रोशित लोगों ने खाली मटके लेकर आक्रोश व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने 24 घंटे में पेयजल सप्लाई को दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया है। अन्यथा खंड कार्यालय पर धरने प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। पूर्व पार्षद के प्रतिनिधि सोनू तंवर, राजेश योगी, हंसराज फौजी, श्यामलाल शर्मा, महावीर मास्टर, सोमदत्त जांगड़ा, पप्पू लुहार, कर्णसिंह, लीलाराम, शारदा, मारूति कुमारी ने बताया कि विभाग ने वार्ड वाइज पेयजल सप्लाई लाइन बिछाई है। पानी का समान बंटवारा करने के लिए निर्धारित प्वाइंटों पर वॉल लगा दिए। जिन्हें ऑपरेटर संचालित करते हैं। शारदा कॉलोनी का वॉल एसबीआइ बैंक के पास लगा हुआ है, लेकिन यहां पानी के वितरण में भेदभाव हो रहा है। वार्ड को हिस्से का पूरा पानी नहीं मिलने के कारण लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आपूर्ति के लिए अधिकांश लोग वाटर टैंकरों से पानी मंगवाना आरंभ कर दिया, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर लोग टैंकर का भुगतान करने में सक्षम नहीं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया, उस दौरान उन्हें चार पांच घंटे में पानी की सप्लाई को सुचारू करने का आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक स्थिति यथावत बनी हुई है। परेशान लोगों ने उपायुक्त से पेयजल व्यवस्था को सुचारू करवाने की गुहार लगाई है।

नांगल चौधरी। पेयजल संकट से परेशान होकर रोष प्रदर्शन करते शारदा कॉलोनी वासी। फोटो : हरिभूमि

गांव जैलाफ की गलियों, मुख्य रास्ते और फिरनी को पक्का करने की मांग

■ ग्राम विकास एवं पंचायत मंत्री के नाम लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जनपद के गांव जैलाफ के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने गांव की गलियों, मुख्य रास्ते व फिरनी के रास्तों के निर्माण हेतु विकास एवं पंचायत मंत्री हरियाणा सरकार के नाम ईमेल डायरेक्टर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग को भेजकर उबड़ खाबड़ रास्तों को सही करने की मांग की है। पत्र में ब्लॉक के गांव जैलाफ में गांव की गलियों सहित फिरनी रास्तों को बंधवाने आग्रह किया है। पत्र में कहा कि उपरोक्त विषय में निवेदन है कि गांव जैलाफ के मुख्य रास्ते, गलियारे, गांव की गलियां व की फिरनी का रास्ता बेहद उबड़ खाबड़ है। जिससे ग्रामीणों को इनरास्तों से आने जाने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गांव के बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे इन उबड़ खाबड़ रास्तों पर चलने से गिरकर चोटिल हो रहे हैं। अतः निवेदन है कि गांव के मुख्य रास्ते, फिरनी व गलियों व गलियारों को पक्का बनाया जाए।

नारनौल। गांव जैलाफ में रास्ते में जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। बनाई हुई प्रदर्शनी दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों, मॉडल प्रदर्शनी, भाषण प्रतियोगिता, क्विज और पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, जल संरक्षण तथा अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े आकर्षक और उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से वैज्ञानिक सोच और नवाचार की अद्भुत क्षमता का परिचय दिया। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने भी विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पशुपालन विभाग के डीडीए डॉ.चंद्रभान सोनी सेवा के 33 साल बाद हुए सेवानिवृत्त

■ रागिनी के माध्यम से सेवाकार्य का किया भव्य व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पशुपालन एवम् डेयरी विभाग के उप निदेशक डॉ चंद्रभान सोनी अपनी 33 वर्ष की सेवा उपरान्त सेवानिवृत हो गए हैं। उनकी इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में पशुपालन विभाग कनीना के उपमंडल अधिकारी डा. बलजीत सिंह ने एक बहुत ही शानदार रागिनी के माध्यम से उनका विभाग में आगमन और सेवानिवृत होने तक किन–किन स्टेशनों पर रहकर कार्य किया, का सुंदर तरीके से बखान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन एवं डेयरी विभाग उपनिदेशक डा. नसीब सिंह ने की।विशिष्ट अतिथि सिंचाई विभाग कार्यकारी अभियंता इंजी. संदीप नसीहर, पशुपालन के पूर्व उपमंडल अधिकारी डॉ राजकुमार यादव, पूर्व चेयरमैन कोऑपरेटिव बैंक ओमप्रकाश सोनी, प्रिंसिपल सतीश, नपा के पूर्व उपप्रधान कैलाश, पविंद्र, सिंचाई विभाग के उपमंडल अधिकारी राजेश वर्मा, प्रधान राहुल सोनी मौजूद रहे।

नारनौल। डीडीए डा चंद्रभान सोनी के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में मंचासीन।

आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में प्रवेश परीक्षा 8 मार्च को

नारनौल। नांगल चौधरी खंड के अंग्रेजी माध्यम आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढाणा में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी, नौवीं व 11वीं में के लिए प्रवेश परीक्षा आठ मार्च को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा हेतु पांच फरवरी से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि छह मार्च है। रजिस्ट्रेशन फॉर्म आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में उपलब्ध है तथा रजिस्ट्रेशन फॉर्म कार्यालय आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में ही जमा करवाना होगा। कक्षा छठी में 40 सीटों, कक्षा नौवीं में 30 सीटों व कक्षा 11वीं में 30 सीटों पर दाखिला होना है। कक्षा नौवीं व 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा सुबह 10:30 से 12 बजे तक तथा छठी के लिए प्रवेश परीक्षा दोपहर एक बजे से 2:30 बजे तक होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा व पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी बनाए गए हैं।

मंडी अटेली। सलीमपुर में बनवाई गई डिजिटल लाइब्रेरी। फोटो : हरिभूमि

सलीमपुर डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर सरपंच कुमारी आरती ने अपने चुनावी वादों को साकार करते हुए गांव में एक आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण करवाया है, जिसका उद्घाटन एक मार्च को किया जाएगा। कुमारी आरती इससे पहले पंचायत विभाग की ओर से पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार द्वारा गौरव अवार्ड से सम्मानित की जा चुकी हैं। उनका मानना है कि यदि गांव में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध हों तो युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। सरपंच का कहना है कि यह लाइब्रेरी केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि डिजिटल संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना पंचायत समिति के सहयोग से साकार हुई है।

ट्रैफिक मैनेजर की ज्वाइनिंग पर कर्मियों ने किया भव्य स्वागत

नारनौल। रोडवेज डिपो में शुक्रवार को नए ट्रैफिक मैनेजर जरनैल सिंह (टीएम) के पद पर ज्वाइन कर लिया। जरनैल सिंह पहले रेवाड़ी डिपो में संस्थान प्रबंधन के पद कार्यरत थे। रोडवेज में आने से पहले वह एयरफोर्स (1995 से 2015 तक) में भी सेवाएं दे चुके हैं। ट्रैफिक मैनेजर की ज्वाइनिंग पर कर्मचारियों ने उनको गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर ट्रैफिक मैनेजर ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वह आने वाले समय में नारनौल डिपो के कर्मचारियों, रोडवेज विभाग और जनहित के लिए मिल–जुलकर अच्छे से अच्छे कार्य करने का प्रयास करेंगे। स्वागत में डिपो से पूर्व प्रधान अनिल भीलवाड़ा, करतार सिंह डीआई, महेश इंस्पेक्टर, यजुवेंद्र क्लर्क, लालचंद सुपरडेंट, प्रीतम, कुलदीप मास्टर, दलजीत, विकास मुंगारका, सुंदर नेवल, दयानंद, सज्जन, अनूप, राजेश, महेश, दर्शन व रजनीश आदि रहे।

ग्रामीणों ने पुलिस पर चोरी के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

चोरी का माल बरामद नहीं करने पर बड़कोदा के ग्रामीण पहुंचे सदर थाना

पुख्ता सबूत उपलब्ध कराने के बाद भी पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शनिवार को बड़कोदा के ग्रामीण एकजुट होकर सदर थाना पहुंचे तथा पुलिस पर चोरी के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज से लेकर इस चोरी में रेकी करने वाले युवक तक को पुलिस के सुपुर्द कर चुके, लेकिन पुलिस अब तक चोरी का माल बरामद कराने में नाकाम रही है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर ज्यादा रोष था कि जो सबूत जुटा रहा है, वह पीड़ित ही जुटा रहा है, पुलिस सबूत देने के बाद भी वह कुछ नहीं कर रही। पीड़ित आर्मी से रिटायर गोपीचंद शर्मा ने बताया कि बीती 7 जनवरी को दिन के समय वह तथा उसकी पत्नी कहीं बाहर गए हुए थे। उनके पीछे से घर में चोरी हो गई। इसमें सवा किलो चांदी तथा करीब 18 तोले सोना शामिल है। लगभग 24–25 लाख के गहनों एवं नकदी की चोरी हो गई थी। इस दौरान उसके छोटे भाई ने फोन करके बुलाया कि जहां हो जल्दी आ जाओ, घर में कुछ हो गया, जिसके बाद उन्होंने फोन करके पुलिस को बुला लिया। मौके पर पीसीआर भी पहुंच गई। सदर थाना एसएचओ भी पहुंचे थे। जिसके बाद पुलिस ने आगामी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक दिन सामान नहीं छेड़ने को कहा था, जिसके बाद अगले दिन फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी आए तथा डंप लिए। मगर इसके बाद पुलिस ने कुछ भी कार्रवाई नहीं की। दूसरी गली में लगे सीसीटीवी देखे। जहां पर कुछ संदिग्ध दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले में सही कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नारनौल। सदर थाने पहुंचे गांव बड़कोदा के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

संदिग्धों पर नहीं हो रही कार्रवाई

पीड़ित का आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस केवल दो बार मौके पर आई। एकबार फिंगर प्रिंट टीम और दूसरी बार डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया, लेकिन इसके बाद मामले में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने जांच अधिकारी को एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम दे चुके हैं तथा एक अन्य व्यक्ति के शामिल होने की आशंका जताई थी, जिसने चेहरा ढका हुआ था। बावजूद इसके अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी। 30 जनवरी को ग्रीवेंस कमेटी में भी आवेदन दिया गया, जहां शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन मिला, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सीएम विंडो में भी शिकायत लगाई, मगर पुलिस ने अभी तक चोर को नहीं पकड़ा है।

यह बोले जांच अधिकारी

इस मामले में जांच अधिकारी रामकुमार ने बताया कि उन्होंने संदिग्ध से पूछताछ की है, मगर उसका चोरी करना नहीं पाया गया। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है, जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर विकास यादव बड़कोदा, जयपाल नंबरदार, दलीप सिंह, घीसाराम, रामौतार, पूर्व सब इंस्पेक्टर बलकेश, एसआई नरेश कुमार, राजवीर यादव, दीपचंद शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि सहेंद्र, महेश मेहता, कृष्ण कुमार यादव समेत अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

होली का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीकः डा. उर्मिला

रेवाड़ी। अहीर कॉलेज में शनिवार को होली पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा रही, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एम नारायण स्वामी प्राचार्य अहीर नर्सिंग कॉलेज ने शिरकत की। प्राचार्या ने सभी स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता की भावना विकसित होती है।

जन आंदोलन ही अरावली के कत्ल को रोकने के लिए विकल्प : राजेन्द्र

रेवाड़ी। अरावली बचाओ आंदोलन के तत्वावधान में शनिवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित यादव धर्मशाला में कन्वेंशन का आयोजन किया, जिसमें न्यायविद, पर्यावरणविद, शिक्षाविद, सामाजिक संगठनों, किसान नेताओं,महिलाओं और वकीलों ने हिस्सा लिया। कन्वेंशन का आयोजन मनोज यादव रिटायर्ड ईओ,कैलाश चंद अध्यक्ष एम्स संघर्ष समिति मनेठी, हेमंत कुमार शेखावत रसायनशास्त्री, कृष्ण कुमार रिटायर्ड प्रवक्ता, डा. पूनम यादव, डा. कंवर सिंह यादव और कॉमरेड राजेंद्र सिंह की पहल पर किया गया। मंच संचालन मनोज यादव ने किया, जबकि कन्वेंशन की अध्यक्षता राकेश यादव पूर्व सेशन जज ने की।

इस मौके पर वक्ताओं ने अरावली पर्वत श्रृंखला को जीवनदायनी करार दिया। उन्होंने कहा कि इसे मानव जीवन, कृषि, प्राकृतिक संतुलन, जीव जंतुओं व भू-जल के लिए बनाए रखना जरूरी है। इसको किसी परिभाषा में नहीं बांधा जा सकता।

रीजनल सेंटर में फिजिक्स पर व्याख्यान का आयोजन

कोसली। कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में फिजिक्स एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। आरपीएस डिग्री कॉलेज की फिजिक्स विभागाध्यक्ष डा. अर्चना साहू ने कहा कि फिजिक्स के सिद्धांतों के उपयोग से जीवन सरल हुआ है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टीवी जैसी सुविधाएं विद्यार्थियों को नया करने के लिए प्रेरित करती हैं। फिजिक्स के मैथ और इंजीनियरिंग से संबंध को समझना होगा।

अवैध कब्जों के मामले में जेलदार परिवार खुलकर सामने आया

पुरखों ने सैनिकों के नाम पर दी बेशकीमती जमीन सामाजिक उपयोग करते हुए सरकार दे पूरा सम्मान

रेवाड़ी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा नेता राव शिवदीप। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

धारूहेड़ा में 160 कनाल बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जों के मामले में जेलदार परिवार खुलकर सामने आया है। वरिष्ठ भाजपा नेता राव शिवदीप ने जमीन प्रकरण को लेकर शनिवार को यहां एक रेस्तरां में पत्रकारों से खुलकर बात की। उन्होंने प्रदेश सरकार से इस बेशकीमती जमीन का उपयोग सामाजिक सरोकार के कार्य में करने की मांग के साथ ही अपील की है कि जमीन दान करने वाले उनके पुरखों के सम्मान का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए।

राव शिवदीप ने जमीन के संदर्भ में बातचीत में बताया कि वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के कल्याण के लिए उनके पूर्वजों ने अपनी 366 कनाल जमीन में से 160 कनाल जमीन दान की थी। यह जमीन 23 अप्रैल 1963 को डीड के माध्यम से तत्कालीन पंजाब राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के नाम हस्तांतरित की गई थी। उस समय जमीन की कीमत 20 हजार रुपये दर्ज की गई थी। इंतकाल के बाद यह जमीन सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हो गई थी। अलग हरियाणा राज्य बनने के यह जमीन प्रदेश सरकार के नाम हो गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में सेक्टर विकसित करने के लिए एचएसवीपी ने जमीन का एक हिस्सा अधिग्रहित किया था, जिसका मुआवजा भी सरकार के पास लंबित है।

कब्जे के आरोप पूरी तरह निराधार

राव शिवदीप ने कहा कि कुछ लोगों ने इस जमीन पर कब्जे को लेकर उनके परिवार पर आरोप लगाए हैं, जो पूरी तरह निराधार हैं। हकीकत यह है कि सैनिकों के परिवार कल्याण के लिए पूर्वजों की ओर से दान की गई इस जमीन पर उनके परिवार ने कभी कोई दावा नहीं जताया। वह खुद इस जमीन का इस्तेमाल सैनिकों के कल्याण व सामाजिक सरोकार के कार्यों के लिए करने की मांग उठा चुके हैं।

जमीन बचाने के लिए लड़ी लड़ाई

राव शिवदीप ने बताया कि वर्ष 2016 में कुछ लोगों ने धोलीदार एक्ट के तहत इस जमीन को अपने नाम कराने के लिए एसडीएम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सरकारी जमीन होने के बावजूद उन्हें इसे बचाने के लिए लगभग 7 साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनका मकसद सैनिकों के नाम पर दान की गई जमीन को गलत हाथों में जाने देने से बचाना था।

नोटिस पर दिया तहसीलदार को जवाब

राव शिवदीप ने बताया कि धारूहेड़ा के नायब तहसीलदार ने गत 29 जनवरी को उन्हें नोटिस भेजा था। इसमें सरकारी जमीन से 'गैर मोरूसी' हटाने के संबंध में जवाब मांगा गया था। उन्होंने खुद तहसीलदार के समक्ष पेश होकर 13 फरवरी को लिखित जवाब दिया था। जवाब में जमीन सैनिकों के लिए दान किए जाने की बात लिखी गई थी।

सामाजिक कार्यों पर खर्च करें मुआवजा राशि

सरकार को मुआवजा राशि का इस्तेमाल शहीदों के परिजनों के कल्याण व सामाजिक कार्यों पर खर्च करना चाहिए। उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि अगर इस जमीन पर सरकारी अस्पताल बनाया जाता है, तो जमीन पूर्वजों की दी हुई होने के कारण इसके साथ उनके पूर्वजों के नाम का सम्मान जरूर साथ जोड़ना चाहिए।

सिटी थाना पुलिस ने रेलवे रोड से हटाया अतिक्रमण

रेवाड़ी। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सूबे सिंह ने शनिवार को टीम के साथ रेलवे रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उन्होंने सड़क से अतिक्रमण का सामान हटवाया और दुकानदारों को अपनी सीमा में रहने की हिदायत दी। अतिक्रमण हटने से यातायात सुगम हुआ और पैदल चलने वालों का राहत मिली। पुलिस टीम ने रेलवे रोड व आसपास के मार्केट से दुकानों के बाहर सड़क तक रखे सामान और अवैध रूप से खड़ी रेहड़ियों को हटवाया। इस मौके पर एचएसओ सूबे सिंह ने कहा कि दुकानदार किसी भी सूरत में निर्धारित सीमा से बाहर सामान न रखें। यदि भविष्य में कोई भी दुकानदार या रेहड़ी संचालक दोबारा अतिक्रमण करते हुए पाया गया, तो उसका सामान जब्त करने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि वे शहर को व्यवस्थित रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

किसी भी तकनीक को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने के लिए उसकी परिपक्वता का आकलन आवश्यकः युद्धवीर

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से इनोवेशन डेवलपमेंट प्रोसेस टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल एवं लैब टेक्नोलॉजी के कमर्शियलाइजेशन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 60 से अधिक विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यूआईईटी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर युद्धवीर सिंह थे। उन्होंने नवाचार के चरणबद्ध विकास, टीआरएल फ्रेमवर्क, शोध के औद्योगिक उपयोग तथा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की प्रक्रिया पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तकनीक को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने के लिए उसकी परिपक्वता का आकलन आवश्यक है और टीआरएल इस दिशा में महत्वपूर्ण मानक है। विवि के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने कहा कि शोध तभी सार्थक होता है, जब वह समाज और उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करे। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने विद्यार्थियों को पेटेंट फाइलिंग एवं नवाचार आधारित गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. सतेंदर बल गुप्ता ने कार्यक्रम को शोध एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल लोगों ने उठाई जांच कराने की मांग

धारूहेड़ा। तीन दिन पहले रिश्वत के आरोप में नगर पालिका के जेई की गिरफ्तारी के बाद शिकायतकर्ता ठेकेदार की भूमिका पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। लगभग एक दर्जन लोगों ने प्रशासन से डेढ़ दशक के दौरान नगर पालिका क्षेत्र में हुए विकासकार्यों की सीएजी ऑडिट कराने की मांग की है, ताकि जेई रिश्वत प्रकरण की तस्वीर साफ हो सके। ठेकेदार के हाथों जेई को रिश्वत प्रकरण में फंसाने के बाद बड़ी संख्या में लोग विकासकार्यों में गोलमाल के आरोप लगाते हुए प्रशासन से इनकी उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करने लगे हैं। लोगों में चर्चा है कि ठेकेदार के बिल रोकने के पीछे जरूर कोई बड़ा कारण रहा होगा। अगर ठेकेदार से किए हुए कार्य की गुणवत्ता सही होती, तो बिल भुगतान की फाइल नहीं रुकती। ऐसा माना जा रहा है कि जेई ने ठेकेदार से सेटिंग करने से मना कर दिया था, जिस कारण जेई को योजनाबद्ध तरीके से रिश्वत के मामले में फंसाया गया।

'कई देवता इस दुनिया में सबके रूप सुहाने हैं, खाटू में जो सजकर बैठा हम उसके दीवाने हैं'...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार रात्रि फाल्गुन एकादशी पर श्री श्याम प्रभु के 126वें संकीर्तन का आयोजन किया गया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में सोनभद्र से भजन गायक संजीव शर्मा व गोकलगढ़ से गायक संजय शर्मा के अनेक मनमोहक भजन सुनाए। एकादशी पर श्याम बाबा का श्रृंगार कुतुबपुर निवासी मनोज सैनी ने कराया तथा बाबा की ज्योत रमेश अग्रवाल व नीरज अग्रवाल ने प्रज्वलित की। फॉग उत्सव में श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में फूलों व गुलाल से जमकर होली भी खेली। श्रद्धालुओं ने होली के भजनों पर नृत्य भी किया। फाल्गुन एकादशी पर श्याम मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। शनिवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन गायक ने 'कई देवता इस दुनिया में सबके रूप सुहाने हैं, खाटू में जो सजकर बैठा हम उसके दीवाने हैं', 'खाटू में ग्यारस की रात जो आती है, कीर्तन की ताली में महफिल गूंज जाती है, उसके बाद 'सज धज के बैठा सांवरा नजरे उतार लूं, दिल में बसा के आपको जीवन सवार लूं' सहित अनेक भजन सुनाएं। श्याम संकीर्तन में चरत अग्रवाल, विजय अग्रवाल, रवि भट्टेवाले, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित अग्रवाल, मनीष सचदेवा, अनिल, पुरुषोत्तम, संजय, नवीन शर्मा, मीनाक्षी, आरती, हिना आदि मौजूद रहे।

शहर में सजी संगीतमय शाम, शहरवासियों ने ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने का लिया संकल्प

रेवाड़ी। अहिरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से शुक्रवार रात्रि पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा, नगर परिषद तथा होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली रोड स्थित ऐतिहासिक छतरी समूह राव पूरन सिंह बाग में विरासत-ए-रेवाड़ी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, कलाकारों एवं युवाओं की उपस्थिति में संगीतमय शाम सजी, जिसमें क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। संस्था की प्रधान प्रियंका यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी यादव ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमारी पहचान और गौरव का प्रतीक हैं तथा इनका संरक्षण करना सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी विरासत के संरक्षण के लिए आगे आएं और समाज में जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम में पुरातत्व विभाग से कंसल्टेंट विनीत बनवाला व होली चाइल्ड स्कूल के निदेशक अनिरुद्ध यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पुलकित, प्रशांत मेहंदीरत्ता व हिमांशु की स्वर लहरियों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में रेजांगला शौर्य समिति से नरेश चौहान, संजू देवी सरपंच, आईएमए अध्यक्ष डा. नीरज, राजीव, सूबेदार मेजर मनजीत सिंह, दीपक, वीरेंद्र सिंह व प्रदीप ने सहयोग दिया।

खबर संक्षेप

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा परिणाम में सफल विद्यार्थियों को हुआ सम्मान

रेवाड़ी। राव निहाल सिंह पब्लिक स्कूल दड़ौली के कक्षा 5वीं के 39 और कक्षा 8वीं के 7 विद्यार्थियों ने एनटीए की ओर से आयोजित सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा दी, जिसमें कक्षा 5वीं के 38 और कक्षा 8वीं के 7 छात्रों ने परीक्षा में सफलता हासिल की। गणित विषय में छात्रों ने 150 में से 150 अंक लेकर शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 5वीं में चिराग ने 264 अंक, रिहान ने 243 अंक, राघव ने 231, जितेश ने 224, अयान ने 209, पूर्वी ने 228 अंक, लियांशु ने 226 अंक, वंश कौशिक ने 219 अंक, नैंसी ने 218 अंक, उर्वी ने 206 अंक, नितिन ने 205 अंक, वंश ने 204 अंक, तक्ष ने 202 अंक, केशव ने 202 तथा हनी ने 201 अंक हासिल किए। वहीं कक्षा 8वीं में अक्षित ने 334 अंक, उज्जवल ने 322 अंक, ऋतु ने 260 अंक, जीविका ने 268 अंक, भूमिका ने 254 अंक, ओम ने 235 और दृष्टि ने 225 अंक प्राप्त किए। विद्यालय के अध्यक्ष राय सिंह यादव, प्राचार्या सरिता यादव व उप प्राचार्य राकेश कुमार सहित सभी शिक्षकों ने छात्रों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा व जेईई मेंस में सफल रहे विद्यार्थी सम्मानित

रेवाड़ी। प्रथम इंटरनेशनल स्कूल ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए परचम लहराया है। विद्यालय की मेधावी छात्रा आरवी कुशवाहा ने गर्ल्स कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक 12 प्राप्त की है। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य में गर्ल्स कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आरवी कुशवाहा ने गणित विषय में 150 में से 150 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं विद्यालय के छात्र अभिनव ने रीजनिंग विषय में 50 में से 50 अंक हासिल किए। विद्यालय के छात्र भारत भूषण ने भी प्रतिष्ठित जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई किया है। 15 विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा क्वालिफाई की है।

ज्ञानदीप स्कूल के 25 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में पाई सफलता

रेवाड़ी। ज्ञानदीप ग्रुप ऑफ स्कूल्स के 25 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर शानदार सफलता प्राप्त की है। विद्यालय संचालिका शशिबाला यादव ने कहा कि यह सफलता विद्यालय की निरंतर मेहनत, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों के समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता और उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली को दर्शाता है। प्रधानाचार्या ने भी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि कठोर परिश्रम, नियमित अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता संभव हुई है। शनिवार को स्कूल परिसर में सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया सर्च अभियान

रेवाड़ी। रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया सर्च अभियान जिला पुलिस व स्वैट टीम ने शनिवार को थाना कोसली व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। पुलिस की ओर से ईट-भट्टों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर रहने वाले संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने वहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं सुरक्षा की दृष्टि से उनकी पहचान होना अत्यंत आवश्यक है। एसपी ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने बहाला व खुर्शीद नगर में चलाया अभियान, नशे से दूर रहने की अपील

कोसली। पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गांव बहाला व खुर्शीद नगर में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव व यातायात के नियमों की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने कहा कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। नशामुक्त और स्वस्थ रहना ही देश की सुरक्षा व प्रगति की गारंटी है। ***साइबर अपराध व ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी*** पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना जरूरी है। हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग और यातायात संकेतों का पालन हमारी सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा गतिविधियों की सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। इस मौके पर ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी ली।

राजनीति प्रदेशाध्यक्ष और सह प्रभारी के शुक्रवार को आगमन पर इसका नमूना खुलकर देखने को मिला

कांग्रेस में 'एक ढपली-एक राग' अभी दूर की बात बिखराव को एक करना नहीं राव के लिए आसान

- शीर्ष नेताओं के समक्ष अपना अपना वर्चस्व दिखाने की होड़
- अलग राह पर चल रहे सीनियर नेताओं को रास्ते पर लाना चुनौती

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

एक दशक से भी ज्यादा समय बाद प्रदेश कांग्रेस का संगठन बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन पार्टी की गुटबाजी दूर करना प्रदेशाध्यक्ष के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। अलग-अलग राह पर चल रहे पार्टी के सीनियर नेता अभी तक रास्ते पर नहीं आए हैं। इससे पहले ही जिला स्तर पर संगठन के पदाधिकारी भी अपना-अपना वचर्स्व दिखाने की होड़ में पार्टी की एकजुटता को तार-तार करने में लगे हुए हैं। प्रदेशाध्यक्ष और सह प्रभारी के शुक्रवार को आगमन पर इसका नमूना खुलकर देखने को मिला। संगठन के पदाधिकारियों की मासिक बैठक लेने के लिए प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रदेश सह प्रभारी जितेंद्र बघेल शुक्रवार को शहर में आए थे। पार्टी के दोनों दिग्गजों का स्वागत संयुक्त रूप से करने की बजाय तीन जगह कार्यक्रम रखे गए। शहरी और ग्रामीण दोनों जिलाध्यक्ष के कार्यक्रम अलग-अलग स्थानों पर हुए, तो जिला उपाध्यक्ष रेखा दहिया ने अपने निवास पर दोनों नेताओं को बुलाकर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटाई। दोनों जिलाध्यक्षों ने भीड़ जुटाने के मामले में खुद को 'इक्कीश' साबित करने का पूरा प्रयास किया। दूसरी ओर रेखा दहिया ने जलपान कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की अच्छी भीड़ जुटाकर शहर में अपनी पकड़ का दमदार प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के शहरी और ग्रामीण जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही दोनों के बीच तालमेल की कमी खुलकर देखने को मिल रही है। पार्टी के कार्यक्रमों में बहुत कम मौकों पर दोनों जिलाध्यक्ष एक साथ नजर आए हैं। इससे पार्टी की जिला स्तर पर गुटबाजी खुलकर उजागर होने लगी है, जिसे संभालना प्रदेशाध्यक्ष के लिए मुश्किल साबित हो सकता है।

राव नरेन्द्र सिंह।

जितेन्द्र बघेल।

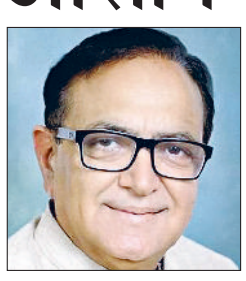

कैप्टन अजय सिंह।

डॉ. एमएल रंगा

जसवंत सिंह

नीलम भगवाड़िया

चर्चा में सीनियर नेताओं की अनुपस्थिति

अहीरवाल में पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव कांग्रेस के सबसे सीनियर लीडर हैं। राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश कांग्रेस की कमान मिलने के बाद सबसे पहले उन्होंने ही हाईकमान के निर्णय पर सवाल उठाए थे। हालांकि बाद में दोनों नेताओं के बीच सकारात्मक संवाद होने की बात कही जा रही थी, परंतु अक्सर राव के कार्यक्रम से कैप्टन दूरी बनाए रखते हैं।

अन्य वरिष्ठ नेताओं का भी यही हाल

कांग्रेस में पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा, पूर्व मंत्री जगदीश यादव, पूर्व मंत्री जसवंत सिंह व पूर्व मंत्री शकुंतला भगवाड़िया की बेटी नीलम भगवाड़िया सहित कई चेहरे वरिष्ठ नेताओं में शुमार हैं। राव नरेंद्र व जितेंद्र बघेल के आगमन पर शुक्रवार को इनमें से कोई भी उनके कार्यक्रम में शरीक नहीं हुआ। तर्क इन नेताओं के बाहर होने का दिया गया, परंतु एक साथ सभी के बाहर होने की बात भी गले नहीं उतर नहीं है।

होली गायन का आयोजन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का आह्वान

कोसली। कोसली क्षेत्र के लोग होली गायन की सदियों पुरानी अपनी परंपरा को आज भी न केवल सहेजे हुए है, बल्कि उन्हें अपनाकर अपनी अगली पीढ़ियों को भी सकारात्मक संदेश दे रहे है। भुरथला गांव में होली गायन एव भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे कोसली, नठेड़ा, भुरथला, जाहिदपुर, दड़ौली, लिसान, कान्हड़वास, रामपुरी, जुड्डी व खुशपुरा की गायन टोलियों ने हिस्सा लिया। गायन में सामाजिक कुरीतियों और होली पर्व से जुड़े गीत गाए गए। गायन के पश्चात कलाकारों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। गायन टोलियां लगातार क्षेत्र के गांवों में जाकर होली गायन करती हैं। धुल्हेंडी के दिन कोसली में बाबा मुक्तेश्वरपुरी धाम पर महोत्सव का समापन होता है। इस मौके पर रामकला सरपंच, विक्की सरपंच प्रतिनिधि, विजय भुरथला, सतीश, श्योराज, राजकुमार व प्रकाशवीर सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।